कार्यालय, प्राचार्य, राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूं (जयपुर)

पॉवर हाऊस के पीछे, मोरीजा रोड़, चौमूँ (जयपुर) 303702, राजस्थान

Website: https://hte.rajasthan.gov.in/college/ggcchomu

email : ggc_chomu@yahoo.com, ggcchomu99@gmail.com Ph : 01423-223224

क्रमांक : रा.क.म.चौ./2022/..... दिनांक :

हिन्दी दिवस पर राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूँ में संगोष्ठी

हिन्दी की महत्तता समझाई

दैनिक भास्कर

जयपुर जिला चौमू 15-09-2021

कर दिया जाएगा। | का निरीक्षण किया गया। यहां पर पुराना | के लिए निर्देशित किया है। | अवैध कब्जे व अवैध निर्माण

हिंदी दिवस पर कन्या कॉलेज में संगोष्ठी, हिंदी की महत्ता समझाई

कार्यालय संवाददाता | चौमू

शहर के मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान व एक टीवी के ऑनलाइन प्लेटफार्म पर संयुक्त रूप से हिंदी दिवस पर आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठ भाषाः बदलते संदर्भ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संचालन आयोजन सचिव युवा लेखिका व आलोचक डॉ. प्रणु शुक्ला ने किया और बताया कि हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी दिवस पर आयोजित यह संगोष्ठी हिंदी के संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस संगोष्ठी से जो भी निष्कर्ष प्राप्त होंगे, वह हमारी राजभाषा को पुष्पित पल्लवित करने वाले होंगे। संयोजक डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि आज हिंदी वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। कितने ही

चौमू| हिंदी दिवस मनाते कार्यकर्ता।

ऐसे नए व समसामयिक पक्ष हैं, जो हिंदी के बदलते परिदृश्य को भाषा के प्रसार के रूप में उल्लेखित करते हैं। राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉ. शम्भू दयाल गुप्ता ने आमंत्रित सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए बताया कि अकादमिक उन्नयन के लिए इस तरह की संगोष्ठीओं का आयोजन निसंदेह हिंदी भाषा का उज्जवल पक्ष है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने हिन्दी भाषा की तारतम्यता, भाषा नियोजन,भाषायी समन्वय, तकनीकी विकास, अनुवाद बहुलता, पत्र-पत्रिकाओं व हिंदी मीडिया के माध्यम से हिंदी की समग्रता और विकास को अंकित करते हुए कहा कि हिंदी भारतीय दर्शन, सभ्यता और संस्कृति के निदर्शन की भाषा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के उपनिदेशक डॉ. नरेश पाल मीणा, क्वान्तोंग विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा विभाग के प्रोफेसर विवेक मणि त्रिपाठी आदि ने संबोधित किया हिंदी भाषा को वैश्विक विकास और उन्नति में भारतीय संस्कृति ,ज्ञान विज्ञान, शिक्षा , साहित्य, योग, दर्शन, और हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान बताया। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर विनोद शर्मा ने अपने वक्तव्य में हिंदी के उदय और विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी की।

एनएसयूआई ने मनाया दिवस

चौमू| एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी व प्रदेश प्रभारी गुरजोत सिंह सन्धु और जिलाध्यक्ष राजेश चौधरी के निर्देश अनुसार विधानसभा चौमूं के एनएसयूआई पूर्व महासचिव अजय जाटावत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष में एनएसयूआई द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर हिंदी दिवस मनाया। अजय जाटावत ने बताया कि हिंदी भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में से एक है। हम सभी हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार का संकल्प लें। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पार्षद पवन वर्मा, मनिष सैनी, अमन दादरवाल, नितेश तानावाड, अंकित, सुभाष चौधरी, पवन, राहुल जाट, जय चौधरी आदि एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता

हम अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करे - प्राचार्य डॉ शम्भु दयाल गुप्ता

राजस्थान दर्शन

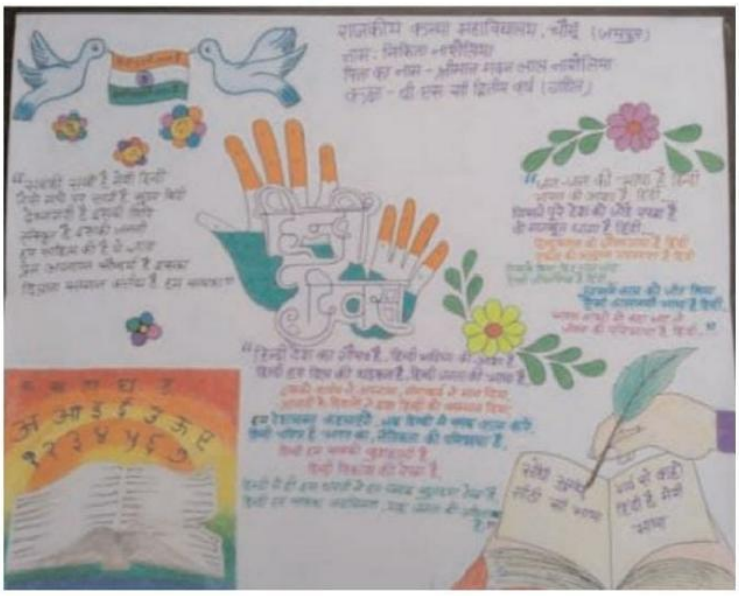

चौमूं। राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ शम्भु दयाल गुप्ता की अध्यक्षता में हिंदी दिवस सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण देते हुए डॉ गुप्ता ने कहा कि हम अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करे व इसके विकास में अपना योगदान दे।इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन आयोजन करवाया गया।।पोस्टर प्रतियोगिता में सुश्री निकिता नारोलिया ने प्रथम स्थान,पलक गुर्जर ने द्वितीय स्थान व सुश्री काजल कंवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में सुश्री निकिता नारनोलिया ने प्रथम,सुश्री अंकिता शर्मा व पूनम शर्मा ने द्वितीय व अनिशा सैनी ने तृतीय स्थान व भाषण प्रतियोगिता में प्रथम- सुश्री श्रद्धा जोशी, द्वितीय स्थान- स्नेहा शर्मा, तृतीय स्थान-सुश्री लक्ष्मी मीना ने प्राप्त किया।समापन समारोह में संयोजक डॉ अलका त्रिपाठी ने कहा कि कहा कि आज हम उस भाषा के प्रति खुद को समर्पित करते है,जो हमारी मातृ- भाषा व राष्ट्र भाषा रही है।हिंदी न सिर्फ़ उत्तर भारत के कुछ राज्यों की भाषा है अपितु देश की आजादी के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई की भी भाषा रही है।अंत मे संयोजक ने समिति सदस्यों डॉ प्रीति सिंह, श्रीमती शाहीना परवीन, डॉ सुमन ढाका, डॉ अंजू मित्तल,डॉ वंदना उपाध्यक्ष व डॉ प्रणु शुक्ला का कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समस्त संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।